डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एम० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

पद से त्याग पत्र देने के बाद इंगलैंड में सैनिक का बोल बाला फिर से होने लगा लेकिन रम्प पार्लियामेण्ट ने इसका भयंकर रूप से विरोध करना शुरू किया उस समय सेनापति लेम्बर्ड था। इसने विरोध की स्थिति में रम्प पार्लियामेण्ट को भंग कर दिया जिससे अब वहाँ पूरे इंगलैंड में अशांति और अव्यवस्था फैल गई। ऐसी स्थिति में रम्प को बाहर कर दी दिया लेकिन इसके साथ ही साथ इंगलैंड की जनता अब कुशल राजा की तलाश में थी। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इंगलैंड की जनता चार्ल्स द्वितीय को ही पुन: राजा बनाने के लिए सोच रहे थे लेकिन इंगलैंड छोड़कर चार्ल्स द्वितीय अब कहाँ रह रहा था। इसकी जानकारी किसी माध्यम से वहाँ के लोगों की जानकारी मिली कि चार्ल्स द्वितीय अभी वह वर्तमान समय में ब्रेडा नामक स्थान में रह रहा है। अत: यहाँ के लोगों ने एक खास दूत को भेजकर चार्ल्स द्वितीय को पुन: राजा बनने ~~को बात को~~ का निमंत्रण दिया राजा बनने की बात को सुनकर चार्ल्स द्वितीय खुशी से उछल पड़ा और उन्हे ब्रेडा में यह घोषणा ~~की कि यह~~ कर दी गई कि वह पार्लियामेण्ट के अधीन ही रह कर के ही शासन करेगा इतना ही नहीं बल्कि इसके साथ ही साथ यह भी घोषणा कर दी कि यह अपने पिता के सभी दुश्मनों

Scanned By Scanner Go

को बिना दण्ड दिये क्षमा कर देंगे लोगों को धार्मिक, स्वतंत्रता प्रदान करेगा और सैनिक को सारी सुविधा दी जायगी इस क्रम में उन्होंने इस घोषणा के बाद 25 मई 1660 ई० को बड़ी खुशी के साथ डोवर के बन्दरगाह पर उतरा और जन्म दिवस 29 मई 1660 ई० में उन्होंने लंदन मे प्रवेश किया इस तरह उन्होंने इंगलैंड में वैधानिक शासन की नींव डाली

) चार्ल्स द्वितीय का ताज ग्रहण करना - चार्ल्स द्वितीय को ~~सब~~ ~~ग्रहण~~ लंदन में आते हुए देखकर वहाँ के लोगों को खुशी का ठिकाना न रहा इसीलिए तो वर्क महोदय कहा कि " The reads strawn with flowers the weals were ring the streats hung flage and garlands and the fountains rain with wine the army along stood a loaf.

(लंदन की सभी सड़कों पर फूल बिछे हुए थे घंटी बज रही थी और सड़कों के दोनों और कपड़े के ~~के~~ झल्ले लटके हुए थे और फव्वारे के माध्यम से शराब की वर्षा हो रही थी। तथा सड़क के दोनों और सिपाही खड़े थे।)
इस तरह सभी समावर्त और उल्लास के साथ चार्ल्स द्वितीय को राजा अभिषेक हुआ जिससे सारे देश के लोग आहा ~~व्यक्ति~~ लालित उठे।

Scanned By Scanner Go

इस प्रकार निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते है। कि गद्दी पर बैठ ही चार्ल्स द्वितीय ने सेना को तो भंग कर दिया जिसमें सैनिक ~~को सभी~~ लोग वर आपस चले गये। अतः चार्ल्स द्वितीय का पुनः राजिमा रोहन इंगलैंड के सवैधानिक इतिहास में महत्वपूर्ण रखता है।

THE END

Scanned By Scanner Go